



● किडनी कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं

नई दिल्ली, (मैट्रो): उम्र के पांचवें दशक की शुरुआत में किडनी के कैंसर के कई मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। यह जानकारी मैक्स हेल्थकेयर के ओकोलाजिस्ट डा. अमित भार्गव ने दी। उन्होंने बताया कि मोटापा एवं सिगरेट पीने वालों में गुर्दे के कैंसर का जोखिम ज्यादा होता है। मोटे लोगों में भी गुर्दे के कैंसर का खतरा अधिक होता है।

डा. अमित भार्गव ने बताया कि उच्च रक्तचाप से ग्रस्त लोगों में इस घातक बीमारी का खतरा भी अधिक होता है। उन्होंने बताया कि उन लोगों में किडनी के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है जो रसायनिक तत्वों के सम्पर्क में आते हैं। डा. भार्गव का कहना है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में किडनी के कैंसर का खतरा अधिक होता है।

उन्होंने बताया कि पेशाब में खून आना या उसका रंग हल्के भूरे से गहरे लाल में बदलना, बगल में होने वाला दर्द जो लगातार बना रहता है, बगल की ओर या पेट में मांस का कोई उभार, वजन में कमी, लगातार बुखार हो तो यह सभी किडनी के कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगर ये लक्षण हों तो इसे नजरअंदाज न करें, डाक्टरों से परामर्श कर उचित जांच कराएं।